Downloaded From :http://cbseportal.com/

SET-1

Series GBM/2

कोड नं.
Code No. **29/2/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*
Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/
CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *15*

मैं न चाहते हुए भी बीमा कंपनी के एजेंटों के चक्कर में कैसे फँस गया ? बीमा कंपनियों के सौभाग्य अथवा दुर्भाग्यवश मैं एक ऐसा जंतु था जो पेंशन वाला होते हुए भी पचास साल से कम आयु का था ।

जहाँ अड़ोस-पड़ोस के लोगों को मेरी परिस्थिति मालूम हुई, वहाँ एजेंटों ने मेरा पीछा करना शुरू किया । क़रीब-क़रीब उसी लगन से, जिससे कि कुँवारे ग्रेजुएट को अविवाहित लड़कियों के पिता, भाई आदि । मेरे पास ऐसा कोई दुर्ग नहीं था जहाँ जाकर छिप जाता । बीमे की चर्चा होने लगी । बीमे के प्रस्तावों के कारण मेरी नींद हराम हो गई । जान का बीमा, जी का जंजाल हो गया । औरों से तो जैसे-तैसे पीछा छुड़ा लिया किंतु एक पड़ोसी महाशय से पीछा न छुड़ा सका ।

मैंने उनसे पूछा – “आप काहे का बीमा कराना चाहते हैं ?” उत्तर मिला “जान का ।” मैंने कहा कि भाई, मैं अपनी जान कहीं पार्सल करके नहीं भेजना चाहता, जो बीमा कराऊँ । मुझे बीमा कराकर निश्चिंत होने का लालच दिया गया । एजेंट महोदय पर मेरे तर्कों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा । मैं जानता था चिंता और चिता में एक बिंदी का अन्तर है । चिंता जो मेरी चिरसंगिनी थी, सहज में परित्याग नहीं करना चाहता था – पर एजेंट महोदय पर मेरी युक्तियों का इतना भी असर नहीं हुआ जितना कि तवे पर बूँद का । उन्होंने मेरी मौनरूपी अर्द्ध सम्मति प्राप्त कर ली और मैंने पाँच हज़ार के लिए आँख बंद करके दस्तख़त कर दिए ।

दस्तख़त के बाद ही मुझसे पूछा गया कि मेरी जन्म-पत्री कहाँ है – मेरी वर्तमान आयु जानने को । यदि बीमा कंपनियों को ज्योतिष में विश्वास होता तो मैं डॉक्टरों से बच जाता । मेरी नाप-तौल की गई मानो मैं कोई क्रय-विक्रय की वस्तु हूँ । बीमार की भाँति पलंग पर लेटना पड़ा । वैसे तो मेरा शरीर रोगों का अड्डा बना हुआ था किंतु मैं बहुत से रोगों के बारे में डॉक्टर की आँखों में धूल झोंकने में सफल हो गया । एक लंबी-चौड़ी प्रश्नावली का उत्तर इस प्रकार दिया कि अदालत के सत्यमूर्ति गवाह की भाँति सच और सच के सिवाय सब कुछ कह दिया ।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/
CBSE PORTAL www.cbseportal.com

(क) बीमा एजेंट क्या करते हैं ? उनके चक्कर में लेखक कैसे फँसा ? *2*

(ख) लेखक ने डॉक्टरों से अपने अनेक रोगों को कैसे छिपाया ? क्यों ? *2*

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए – "चिंता और चिता में एक बिंदी का अन्तर है ।" *2*

(घ) जान का बीमा जी का जंजाल कैसे हो गया ? *2*

(ङ) "अदालत के सत्यमूर्ति गवाह की भाँति" – कथन में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए । *2*

(च) जन्म-पत्री क्या होती है ? लेखक से उसकी जन्म-पत्री क्यों माँगी गई ? *2*

(छ) गद्यांश में प्रयुक्त किन्हीं दो मुहावरों का वाक्य प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए । *2*

(ज) प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×5=5*

है अनिश्चित किस जगह पर सरित, गिरि-गह्वर मिलेंगे
है अनिश्चित किस जगह पर बाग, वन सुंदर मिलेंगे,
किस जगह यात्रा ख़तम हो जाएगी, यह भी अनिश्चित,
है अनिश्चित कब सुमन, कब कंटकों के शर मिलेंगे
कौन सहसा छूट जाएँगे, मिलेंगे कौन सहसा
आ पड़े कुछ भी, रुकेगा तू न, ऐसी आन कर ले
पूर्व चलने के बटोही बाट की पहचान कर ले ।

(क) पथिक से यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व क्या करने को कहा गया है और क्यों ?

(ख) जीवन-यात्रा में बाग, वन और गिरि-गह्वर किनके प्रतीक हैं ?

(ग) सारी अनिश्चितताओं के बीच भी पथिक को क्या करना आवश्यक है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – "है अनिश्चित कब सुमन, कब कंटकों के शर मिलेंगे ।"

(ङ) काव्यांश का संदेश अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/
CBSE PORTAL www.cbseportal.com

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : *10*

(क) महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

(ख) भारतीय सैनिक

(ग) बाढ़-प्रकोप से सुरक्षा

(घ) भारतीय किसान

4. शुद्ध पेय जल की आपूर्ति करवाने हेतु नगर-पालिका अध्यक्ष को अनुरोध करते हुए एक पत्र लिखिए । *5*

अथवा

दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले विज्ञापनों में सुधार की अपेक्षा करते हुए सूचना और प्रसारण-मंत्रालय को एक पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : *1×5=5*

(क) समाचार किसे कहते हैं ?

(ख) रेडियो की भाषा-शैली की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ग) विशेष लेखन से क्या तात्पर्य है ?

(घ) मुद्रित माध्यम से आप क्या समझते हैं ?

(ङ) खोजपरक पत्रकारिता किसे कहते हैं ?

6. "भारत भ्रष्टाचार-मुक्त कैसे हो" – विषय पर एक आलेख लिखिए । *5*

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *8*

यह धीरे-धीरे होना

धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय

दृढ़ता से बाँधे है समूचे शहर को

इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है

कि हिलता नहीं है कुछ भी

कि जो चीज़ जहाँ थी

वहीं पर रखी है

कि गंगा वहीं है

कि वहीं पर बँधी है नाव

कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ

सैकड़ों बरस से ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'कार्नेलिया का गीत' कविता में किए गए प्रकृति-चित्रण को अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'सत्य' की पहचान कवि के अनुसार कैसे हो सकती है ? उसके दिखाई देने और ओझल होने से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(ग) विद्यापति ने विरहिणी नायिका की मनोदशा का जो वर्णन किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए ।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** काव्यांशों का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *3+3=6*

(क) पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े ।
नीरज नयन नेह जल बाढ़े ।।
कहब मोर मुनिनाथ निवाहा ।
एहि ते अधिक कहौं मैं काहा ।।

(ख) ऊँचे तरुवर से गिरे
बड़े-बड़े पियराए पत्ते
कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –
खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई ।

(ग) तू खुली एक-उच्छ्वास-संग
विश्वास-स्तब्ध बँध अंग-अंग
नत नयनों से आलोक उतर
काँपा अधरों पर थर-थर-थर ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

अगर हम थोड़ी-सी हिम्मत बटोर कर गाँव के भीतर चलें, तब वे औरतें दिखाई देंगी जो एक पाँत में झुकी हुई धान के पौधे छप-छप पानी में रोप रही हैं; सुंदर, सुडौल; धूप में चमचमाती काली टाँगें और सिरों पर चटाई के किश्तीनुमा हैट, जो फ़ोटो या फ़िल्मों में देखी हुई वियतनामी या चीनी औरतों की याद दिलाते हैं । जरा-सी आहट पाते ही वे एक साथ सिर उठाकर चौंकी हुई निगाहों से हमें देखती हैं – बिलकुल उन युवा हिरणियों की तरह, जिन्हें मैंने एक बार कान्हा के वन्यस्थल में देखा था । किंतु वे डरती नहीं, भागती नहीं, सिर्फ़ विस्मय से मुसकुराती हैं और फिर सिर झुका कर अपने काम में डूब जाती हैं ।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL www.cbseportal.com

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4+4=8*

(क) 'शेर' कहानी में लेखक ने शेर को किसका प्रतीक बताया है ? शेर के मुँह में लोमड़ी क्यों चली जा रही थी ?

(ख) 'बालक बच गया' का मूल प्रतिपाद्य क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) "मैं कहीं जाता हूँ तो 'छूँछे' हाथ नहीं लौटता ।" यह वाक्य किस संदर्भ में कहा गया है ? इस कथन के औचित्य की पुष्टि कीजिए ।

12. फणीश्वरनाथ रेणु **अथवा** रामविलास शर्मा के जीवन, रचनाओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ बताइए । *6*

अथवा

जयशंकर प्रसाद **अथवा** घनानंद के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

खण्ड घ

13. 'आरोहण' कहानी में भूपदादा के विचारों और कार्यों की समीक्षा जीवन-मूल्यों की दृष्टि से कीजिए । *5*

14. (क) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर इस कथन का सन्दर्भ और आशय स्पष्ट कीजिए – 'यह फूस की राख न थी उसकी अभिलाषाओं की राख थी ।' *5*

(ख) 'अपना मालवा...' में लेखक को क्यों लगता है कि "हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं, वह उजाड़ की अपसभ्यता है" – तर्कसंगत उत्तर दीजिए । *5*

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE